University in News on 10 January 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

प्रवासी भारतीय दिवस पर प्रदर्शनी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ विश्वविद्यालय में लगाई गई प्रदर्शनी। -संवाद

लखनऊ। प्रवासी भारतीय दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय मूल के राजनेताओं की तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाई गई। यह प्रदर्शनी पाश्चात्य इतिहास विभाग ने प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए लगाई थी। उद्घाटन कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने किया।

प्रदर्शनी देखने वालों को विभाग के शोधार्थियों ने प्रदर्शनी की अलग-अलग स्लाइडों का महत्व समझाया। इन स्लाइडों में मॉरीशस, अमेरिका व कनाडा में भारतीय मूल के राजनेताओं की तस्वीरें, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कई देशों में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत, अन्य देशों के डाक टिकटों पर भारतीय हस्तियों व खिलाड़ियों की तस्वीरें और अन्य देशों में भारतीय मूल के लोग, भारतीय मूल के व्यक्तियों की लिखी गई पुस्तकें आदि प्रदर्शित की गईं।

यहां पाश्चात्य इतिहास विभाग की हेड प्रो. अमिता सोनकर और प्रदर्शनी की क्यूरेटर प्रोफेसर अर्चना तिवारी समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू में प्रवासी दिवस पर प्रदर्शनी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवासी भारतीय दिवस पर प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए पाश्चात्य इतिहास विभाग में प्रदर्शनी लगाई गई। प्रवासी भारतीयों की शक्ति विषय पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने किया। प्रदर्शनी देखने वालों को विभाग के शोधार्थियों ने प्रदर्शनी की अलग-अलग स्लाइडों का महत्व समझाया।

एलयू की परीक्षा में तीन नकलची धरे गए

लखनऊ। एलयू में विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत गुरुवार को तीन नकलची पकड़े गए। द्वितीय पाली में उडाका दल ने मुख्य परिसर में बीकॉम के एक छात्र को नौ पन्नों का खर्रा लेकर नकल करते दबोचा। प्रथम पाली में नवीन परिसर में एलएलबी छात्र और तृतीय पाली में बीए के विद्यार्थी को मुख्य परिसर में अनुचित सामग्री का इस्तेमाल करते धरा। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि एलयू से संबद्ध पांच जिलों में गुरुवार को 117135 छात्रों ने परीक्षा दी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों पर लगाई गई प्रदर्शनी। अमृत विचार

प्रवासी भारतीयों पर लगी प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के पाश्चात्य इतिहास विभाग में प्रदर्शनी आयोजित की गई।

प्रदर्शनी का विषय प्रवासी भारतीयों की शक्ति है। प्रदर्शनी का उद्घाटन कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने किया। पाश्चात्य इतिहास विभाग के शोधार्थियों ने प्रदर्शनी की विभिन्न स्लाइडों का महत्व समझाया।

पाश्चात्य इतिहास विभाग की हेड प्रो. अमिता सोनकर और प्रदर्शनी की क्यूरेटर प्रोफेसर अर्चना तिवारी ने अन्य विभागों के संकाय सदस्यों का स्वागत किया। संबंधित महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इन स्लाइडों में मॉरीशस, अमेरिका और कनाडा में भारतीय मूल के राजनेताओं की तस्वीरें, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कई देशों में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत, अन्य देशों के डाक टिकटों पर भारतीय हस्तियों की तस्वीरें, खिलाड़ियों की तस्वीरें, अन्य देशों में भारतीय मूल के लोग, भारतीय मूल के व्यक्तियों द्वारा लिखी गई पुस्तकें आदि प्रदर्शित की गईं।

JAGRAN CITY PAGE III

कई पन्नों की नकल सामग्री के साथ धरा गया छात्र

जासं ● लखनऊ : लखि में चल रही विषम सेमेस्टर परीक्षाओं में गुरुवार को दो परीक्षार्थी नकल के आरोप में धरे गए। इनमें से एक के पास कई पन्नों की नकल सामग्री पकड़ी गई। दोनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई।

लखि में इन दिनों विषम सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही हैं। गुरुवार को सुबह 11.30 बजे दूसरी पाली की परीक्षा के दौरान चौकाम प्रथम सेमेस्टर (एनइगी) की परीक्षा के दौरान कमरा नंबर सी-33 में एक परीक्षार्थी भारी मात्रा में नकल सामग्री अपने साथ लेकर बैठा था। शक होने पर जांच की गई तो उसके पास नकल पकड़ी गई। इसके अलावा तीसरी पाली की परीक्षा में चौथे तीसरे सेमेस्टर सहित दो परीक्षार्थियों के खिलाफ भी नकल के आरोप में कार्रवाई की गई। हालांकि परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार तीनों पाली की परीक्षाओं में 117135 परीक्षार्थी शामिल हुए। 1403 ने परीक्षा छोड़ दी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा में कुल तीन परीक्षार्थी नकल के आरोप में पकड़े गए हैं।

विदेशी विद्यार्थियों के दिलों पर राज कर रही है हिंदी

लखनऊ विश्वविद्यालय में हिंदी की कार्यशाला में विदेशी छात्र- छात्राएं ● सौ. लवि

जासं ● लखनऊ: हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि एक ऐसी कड़ी बन गई है, जो दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए लोगों को जोड़ रही है। भारतीय संस्कृति और हिंदी सिनेमा के प्रभाव ने विदेशी छात्रों को इस भाषा की ओर आकर्षित किया है। श्रीलंका, माली, तजाकिस्तान, रूस, अफगानिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के युवा अब हिंदी को न केवल पढ़ रहे हैं, बल्कि इसे अपने करियर और जिंदगी का अहम हिस्सा भी बना रहे हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विदेशी छात्रों को देखकर लगता है कि यह अब एक ऐसी वैश्विक भाषा बन रही है, जो रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत कर रही है।

श्रीलंका के शोधार्थी एचजी आनंद अबेसुंदरा ने कहा कि हिंदी से मेरा लगाव बचपन से ही रहा। अब वह श्रीलंका में हिंदी पढ़ाते हैं। वह हिंदी को वैश्विक भाषा बनने पर जोर भी देते हैं। श्रीलंका में हिंदी के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। तजाकिस्तान की खुदीएवा जमीरा अंग्रेजी के साथ हिंदी भी सीख रहीं है, उनके देश में लोग हिंदी गाने और फिल्मों को खूब पसंद करते हैं। वह मानती हैं कि हिंदी सीखने से उनके करियर में ग्रोथ होगी। अफ्रीका के डीको का कहना है कि बचपन से हिंदी फिल्में देखकर इस भाषा से जुड़ाव हुआ। श्रीलंका की एमए हिंदी की छात्रा मयूरी अनुराधा का कहना है कि सिंहली भाषा-भाषी होते हुए भी हिंदी को आसानी से लिख और बोल सकते हैं। यह भाषा इतनी सरल है कि कोई भी इसे आसानी से सीख सकता है। विश्वविद्यालय में अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीयन भाषा विभाग के प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि विदेशी छात्रों के लिए अलग से हिंदी की कार्यशालाएं आयोजित की जाती है। विदेशी छात्रों में चाहे हिंदी फिल्मों का प्रभाव हो या भारत की संस्कृति, हिंदी उन्हें एक नया करियर, नया अनुभव और नए सपने दे रही है।

HT PAGE 4

Expo held at LU

LUCKNOW: An exhibition 'The power of Indian Diaspora' to commemorate Pravasi Bhartiya Diwas was organised at the department of Western History of the Lucknow University on Thursday. It was inaugurated by the dean Faculty of Arts, Prof Arvind Mohan.